

राहुल ने वेणुगोपाल से उन सांसदों की लिस्ट मांगी, जो प्रदर्शन स्थल पर मौजूद नहीं थे

पार्टी के इन अनुपस्थित सांसदों से पत्र लिखकर गंभीरता से उनकी गैर मौजूदगी का कारण पूछा जा रहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। राहुल गांधी आज लगातार तीसरे दिन दिल्ली की सड़कों पर अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ प्रदर्शन करते रहे और यह सुनिश्चित किया कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संदेश जोरदार तरीके से लोगों तक पहुंचे। इसी दौरान दिल्ली पुलिस ने उन्हें आज फिर से हिरासत में ले लिया।
राहुल गांधी ने इस विरोध प्रदर्शन को बहुत गंभीरता से लिया है। उन्होंने किसी वेणुगोपाल से उन सभी कांग्रेस सांसदों की सूची मांगी है, जो प्रदर्शन स्थलों पर मौजूद नहीं थे। साथ ही, उन्होंने उनके न आने की वजह भी पूछी है।
अगर किसी सांसद के पास

- राहुल गांधी का मानना है कि जब कांग्रेस, पूरे विपक्ष को मिलजुल कर एक साथ लाना चाह रही है तो किसी भी कांग्रेस के सांसद का कोई बहाना चलाने वाला नहीं है, वे सरकार की व चुनाव आयुक्त की “वोट चोरी” के प्रयास को उजाकर करने में किसी प्रकार की बहानेबाजी न करें।
- पर, दिक्कत यह है कि हालांकि, राहुल गांधी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन को अंतिम परिणाम तक ले जाना चाहते हैं, लेकिन, इण्डिया ब्लॉक के अन्य घटकों की इस मुद्दे पर विशेष रुचि नहीं है, क्योंकि, इन पार्टियों का मानना है कि इस मुहिम से उनको इतना लाभ नहीं, जितना कांग्रेस पार्टी को है।

प्रदर्शन में शामिल नहीं होने का कोई बहुत जरूरी और उचित कारण नहीं था, तो राहुल गांधी चाहते हैं कि ऐसे अनुपस्थित सांसदों को पत्र भेजकर उनसे जवाब मांगा जाए कि वे प्रदर्शन में क्यों मौजूद नहीं थे।
राहुल गांधी का कहना है कि जब

कांग्रेस पूरे विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रही है, तो कांग्रेस सांसदों का विरोध-प्रदर्शन में शामिल न होने का कोई बहाना नहीं हो सकता।
राहुल गांधी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इस आंदोलन को और आगे

बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों को लगता है कि इस पूरे आंदोलन का फायदा और चर्चा गांधी परिवार को ज्यादा मिल रही है, जबकि विपक्षी सहयोगी दलों को उतना महत्व नहीं मिल रहा।

- अलजेब खान ने व्यापारी शुजात अंसारी से 1.61 करोड़ रुपये के कीमती पत्थर खरीदे और ठगी कर फरार हो गया।

था। बाद में उन्हें बाजार में कम कीमत पर बेचकर प्राप्त राशि का इस्तेमाल महंगी पार्टियों, अय्याशी और विदेश यात्राओं में करता था।
पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि आरोपों अच्छे परिवार से ताल्लुक रखता है। वह शुरूआत में व्यापारियों के साथ छोटे स्तर पर अच्छा कारोबार कर उनका विश्वास जीतता (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। एलन मस्क ने “एक्स” पर आरोप लगाया है कि “कुछ ताकतवर लोग” (ओलिगाक्स) भारत में स्टारलिक के लॉन्च को रोक रहे हैं, ताकि वे अपना “एकाधिकार बनाए रख सकें। उन्होंने इसे “भारत के लोगों के खिलाफ अपराध” बताया। यह आरोप स्पेस एक्स के एक अधिकारी के यह कहने के बाद लगाया गया कि स्टारलिक ने इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार कर लिया है और वह लॉन्च के लिए तैयार है। मस्क का आरोप बिना किसी का नाम लिए भारत की प्रमुख दूरसंचार कंपनियों की ओर इशारा करता है।
संचार मंत्रालय ने इस दावे को “बेबुनियाद और गलतफहमी पर

- ये पुरानी कंपनियाँ, इस क्षेत्र में एकाधिकार को बनाए रखना चाहती हैं, चाहे उनकी इस हरकत से देश को भी नुकसान हो तो हो।
- दूरसंचार मंत्रालय ने मस्क के आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि किसी भी विदेशी कंपनी को इस क्षेत्र में काम करने की इजाज़त देने में देश की सुरक्षा के कई मुद्दे जुड़े हैं।
- अभी तक कोई भी विदेशी कंपनी इन सुरक्षा के मुद्दे पर भारत सरकार को संतुष्ट नहीं कर पाई है, अतः उन्हें देश में काम करने की इजाज़त नहीं मिली है।

आधारित” बताते हुए खारिज कर दिया।
मंत्रालय ने कहा कि सभी दूरसंचार सेवाओं, जिनमें सैटेलाइट संचार भी शामिल है, के लिए निष्पक्ष और बिना भेदभाव वाला ऑथराइजेशन फ्रेमवर्क लागू होता है।
तीन कंपनियों के पास ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट (जीएमपीसीएस) (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर की मृत्यु

बुधवार को रात को ढाई बजे उनकी तबियत खराब हुई तथा उन्होंने अपने मित्र को बुलाने व सूचित करने का प्रयास किया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। जाने-माने एक्टर और फिल्ममेकर नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह गोवा स्थित उनके घर पर कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा पड़ने) से निधन हो गया। वे 75 साल के थे।
गोवा के मणिपाल अस्पताल में आँकोलांजी के प्रमुख डॉ. सालकर के अनुसार, नाना पाटेकर ने सुबह करीब 2:30 बजे अपने दोस्त को मैसेज किया था कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। देर रात होने के कारण दोस्त मैसेज नहीं देख पाए, जब तक कि पाटेकर ने उन्हें फोन नहीं किया।
डॉ. सालकर ने कहा, “करीब 2:30 बजे उन्होंने अपने दोस्त को मैसेज भेजा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। लेकिन रात का समय होने के कारण दोस्त मैसेज नहीं देख पाए। फिर उन्होंने उन्हें फोन किया। वे (दोस्त) सुबह करीब 4 बजे उनके घर पहुंचे।” “तब उन्हें (पाटेकर को) पसीना आ रहा



था... और वे होश खो रहे थे।”
डॉक्टर ने बताया कि पाटेकर मणिपाल अस्पताल के पास ही रहते थे। उनके केयरटेकर को एम्बुलेंस लाने के लिए अस्पताल भेजा गया। वे हमारी एम्बुलेंस लेकर आए और हमारी इमरजेंसी रूम टीम ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने कार्डियक मसाज शुरू की, क्योंकि पाटेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे थे। पाटेकर को सुबह करीब 4:20-4:30 बजे हमारे अस्पताल लाया गया। हमने पूरी कोशिश की, लेकिन उन्हें मृत

- पर, जब तक एम्बुलेंस आई और अस्पताल पहुँचे, बहुत देर हो चुकी थी तथा उन्हें बचाने के प्रयास विफल ही रहे।

अवस्था में ही लाया गया था।
डॉक्टर ने बताया कि सुबह करीब 5:30 बजे पाटेकर को मृत घोषित कर दिया गया।
चूंकि यह एक मेडिको-लीगल केस था, इसलिए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। अब शव को पोस्टमार्टम के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है।
नाना पाटेकर का शुक्रवार को पुणे में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीय गृहमंत्री सहित, तमाम नेताओं और फिल्म जगत की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाहरगढ़ अभ्यारण्य का वनपाल व वनरक्षक रिश्तत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 8 अक्टूबर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की स्पेशल यूनिट-द्वितीय जयपुर ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए, नाहरगढ़ अभ्यारण्य की काला महादेव चौकी पर तैनात वनपाल और वनरक्षक को 50 हजार

- शूटिंग की सिक्योरिटी राशि वापस करने की एवज में 50 हजार की रिश्तत ले रहे थे।

रुपए की रिश्तत लेते रहे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी वनपाल श्याम सिंह को 20 हजार रुपए तथा वनरक्षक शिवकिशोर को 30 हजार रुपए रिश्तत लेते पकड़ा गया।
एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवारी ने शिकायत दी थी कि उसने आमेर के मावठा में शूटिंग का कार्य किया था। इस कार्य से संबंधित सिक्योरिटी राशि वापस दिलाने की एवज में काला महादेव चौकी, नाहरगढ़ अभ्यारण्य में पदस्थ पुलिसकर्मी श्याम सिंह और शिवकिशोर रिश्तत की मांग कर रहे थे। शिकायत के अनुसार, श्याम सिंह पहले ही परिवारी से 15 हजार रुपए रिश्तत (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुरुग्राम का स्पोर्ट्स स्टेडियम “गैराज” कैसे बन गया?

इस स्टेडियम में ट्रेनिंग कर रहे कोच व खिलाड़ी महीने में दो-चार दिन अन्यत्र कोचिंग के लिए स्थान ढूँढते नज़र आते ही हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। गुरुग्राम के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में अभ्यास कर रहे एथलीट्स चार दिनों तक स्टेडियम की सुविधा का इस्तेमाल नहीं कर पाए, क्योंकि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ले जाने वाला हेलिकॉप्टर स्टेडियम के मैदान में पार्क किया हुआ था।
सैनी तीन दिन के सिंगापुर दौरे पर गए थे और गुरुग्राम लौटने के बाद, उन्हें हेलिकॉप्टर से चंडीगढ़ जाना था। गुरुग्राम में फिलहाल राज्य सरकार या नागरिक उड्डयन मंत्रालय का कोई हेलिपैड नहीं है, जबकि हेलिकॉप्टर को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पार्क करने में अतिरिक्त खर्च आता।

इस घटना के बाद खिलाड़ियों और कोचों ने खेल सुविधा का इस्तेमाल वीआईपी हेलिकॉप्टरों के लिए किए जाने पर चिंता जताई है। “टाइम्स ऑफ इंडिया” ने खिलाड़ियों के हवाले से बताया कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। उनके अनुसार, लगभग हर महीने एक-दो दिन के लिए स्टेडियम में हेलिकॉप्टर खड़ा किया जाता है।

- जब भी हरियाणा के मु.मंत्री दो-चार दिन की विदेश यात्रा पर जाते हैं, उनका हेलिकॉप्टर गुरुग्राम के स्टेडियम पर पार्क रहता है।

- कारण शायद यह है कि अभी तक हरियाणा सरकार का हेलिकॉप्टर पार्क करने के लिए कोई स्थान आरक्षित या विकसित नहीं है।

- तथा हेलिकॉप्टर को पालम के हवाई अड्डे पर पार्क करना काफी महंगा सौदा है, राज्य सरकार के लिए। अतः सबकी सहूलियत इसी में मानी गई कि कुछ दिन खिलाड़ी व एथलीट अन्यत्र ट्रेनिंग कर लें तथा हेलिकॉप्टर को स्टेडियम में सुरक्षित रखा जाए।

सैनी के मीडिया सलाहकार ने टाइम्स ऑफ इण्डिया को बताया कि हेलिकॉप्टर, मशीन में खराबी आ जाने के कारण स्टेडियम में रुका था और उसे स्टैण्डबाय के तौर पर वहाँ नहीं रखा गया था।
तथापि, स्थानीय खिलाड़ियों और कोचों ने “इंडिया टुडे डॉट इन्” को बताया कि हेलिकॉप्टरों के लिए स्टेडियम का इस्तेमाल नियमित रूप से होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी हेलिकॉप्टर गतिविधियों के कारण स्टेडियम हर महीने करीब दो दिनों तक

खिलाड़ियों के लिए बंद रहता है।
इन अलग-अलग दावों से यह सवाल उठता है कि वीआईपी हेलिकॉप्टरों के लिए स्टेडियम का इस्तेमाल कितनी बार किया जाता है और वहां ट्रेनिंग करने वाले एथलीटों पर इसका कितना असर पड़ता है।
इस सुविधा का इस्तेमाल ऐसे राज्य में खासतौर पर ध्यान देने लायक है, जहाँ खेलों की उल्लेखनीय परंपरा है और बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारत के पदक जीतने में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। 2026 के एशियाई खेलों में

भारत ने कुल 85 पदक जीते, जिनमें से 32 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते। इनमें 14 स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य पदक शामिल थे। खेलों से पदक लेकर लौटे 207 भारतीय खिलाड़ियों में से 45 हरियाणा के थे।
गुरुग्राम की यह घटना ऐसा पहला अवसर नहीं है, जब अधिकारियों की गतिविधियों या अन्य गैर-खेल आयोजनों के कारण खेल सुविधाओं तक देश के खिलाड़ियों की पहुंच प्रभावित हुई हो। सन् 2022 में दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम के खिलाड़ियों और कोचों ने आरोप लगाया था कि उन्हें अपना अभ्यास समय से पहले खत्म करने के लिए कहा गया था, ताकि दिल्ली के तत्कालीन प्रधान सचिव (राजस्व) संजीव खिरवार वहां अपने कुत्ते को घुमा सकें।
खिरवार ने इस बात से इनकार किया था कि उन्होंने इस कारण से खिलाड़ियों को स्टेडियम छोड़ने के लिए कहा था। वहीं, स्टेडियम के प्रशासक ने कहा था कि आधिकारिक ट्रेनिंग का समय शाम 7 बजे तक था। इस विवाद के बाद, खिरवार का तबादला लद्दाख और उनकी पत्नी तथा आईएएस (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर कलैक्टर दो साल से सूरज मैदान पर निर्णय क्यों नहीं ले रहे- हाईकोर्ट

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर कलेक्टर को 13 अक्टूबर को पेश होकर यह बताने को

- आदर्श विद्या मंदिर प्रबंध समिति द्वारा बिना किसी अधिकार के सूरज मैदान किराये पर देने के मामले में 13 अक्टूबर को कलैक्टर से जवाब मांगा।

कहा है कि आदर्श नगर स्थित सूरज मैदान को आदर्श विद्या मंदिर प्रबंध समिति की ओर से किराए पर देने के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जिला उपभोक्ता आयोग ने पुलिस कमिश्नर को दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर 12 अक्टूबर को पेश करने के निर्देश दिये।

जोन-9 के उपायुक्त सूर्यकांत शर्मा के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। आयोग ने पुलिस कमिश्नर को कहा है कि दोनों (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के बढ़ते विरोध के बीच, 42 पूर्व न्यायाधीशों ने एक कड़ा खुला पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने चुनाव आयोग, न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के लिए चलाए जा रहे अभियान पर गंभीर चिंता जताई है।
पूर्व न्यायाधीशों ने बिना किसी

ठोस सबूत के लगाए जा रहे “वोट चोरी” के आरोपों पर सवाल उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि संवैधानिक संस्थाओं को बार-बार “चोर” और “समझौता करने वाला” बताने से लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कमजोर हो सकता है।
पूर्व न्यायाधीशों ने पत्र में लिखा, हमारी चिंता गंभीर है। भारत की संवैधानिक संस्थाएं लगातार हमलों का सामना कर रही हैं। भारत का चुनाव आयोग इस हमले के केन्द्र में

- इन पूर्व न्यायाधीशों के अनुसार, अब तक, जो भी आरोप लगाये गए हैं, उनके बारे में किसी भी न्यायालय में आरोप सही सिद्ध नहीं हुए हैं।
- पर, इन अफसरों व सरकारी अधिकारियों का बार-बार यह कहना, कि सरकार बदलेगी और तब उनकी खैर नहीं, यह अनुचित व गैर वाजिब है।

है। यहां तक कि जिस उच्च न्यायपालिका का हम बहुत सम्मान करते हैं, उसे और वैधानिक एजेंसियों

को भी नहीं बख्शा गया है।
पत्र में आगे कहा गया, “संस्थाओं की आलोचना करना

लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन उन्हें नीचा दिखाना सही नहीं है।”
पूर्व न्यायाधीशों ने अपने खुले पत्र में कहा, अब सार्वजनिक मंचों से संवैधानिक अधिकारियों को “चोर”, “कठपुतली” और “समझौता करने वाला” कहा जाता है। चुनाव कराने वाले अधिकारियों का नाम लेकर उन्हें बदनाम व शर्मिंदा किया जाता है और सत्ता बदलने पर कार्रवाई की खुली चेतावनी दी जाती है। उल्लेखनीय है कि किसी भी अदालत ने इन आरोपों

को अब तक सही नहीं पाया है।”
पूर्व न्यायाधीशों ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्वेन्सिव रिविजन-एसआईआर) का भी समर्थन किया। उन्होंने इसे कानून के तहत तय की गई प्रक्रिया बताया, जिसका उद्देश्य साफ और सही मतदाता सूचियाँ सुनिश्चित करना है। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावों की वैधता पर सवाल उठाने की कोशिशों से अशांति बढ़ सकती है (शेष अंतिम पृष्ठ पर)